2
0
0
8
2

कक्षा नववीं के भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणाओं का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत
D-281
लघुशोध प्रबंध
2008–2009

अनुसंधान कर्ता
श्री. सुनिल बाबासाहेब वाक्चौरे.
एम. एड्. (आर.आई.ई.)

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेश बाबू.
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

सह मार्गदर्शक
डॉ. एम्. के. श्रीवास्तव
शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं **सुनिल बाबासाहेब वाकचौरे,** छात्र एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि माध्यमिक स्तर पर छात्रों के **"कक्षा नववीं के भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणाओं की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2008–09 में मेरे द्वारा डॉ. बी. रमेश बाबू, प्रवाचक शिक्षा विभाग, तथा डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2008–09 की उपाधि परीक्षा के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में दिये गये ऑकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं, तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

Wakchoure
27/04/09

शोधकर्ता
सुनिल बाबासाहेब वाकचौरे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान– भोपाल

दिनांक–27/04/2009

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) का छात्र **श्री सुनिल बाबासाहेब वाक्चौरे** ने मेरे मार्गदर्शन में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित सन् 2008–09 की एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु माध्यमिक स्तर पर **"कक्षा 9वीं के भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन कि मूलभूत अवधारणाओं का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"**

विषय पर शोध कार्य लगन, निष्ठा एवं पूरी ईमानदारी से किया है। यह लघुशोध प्रबंध इनकी मौलिक कृति है।

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेश बाबू,
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

स्थान– भोपाल

दिनांक–27/04/2009

सह–मार्गदर्शक
डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार–ज्ञापन

"हृदय हो रहा है नतमस्तक,

मौन रहूँ या व्यक्त करूँ।

देना है आभार मुझे,

किन–किन शब्दों में व्यक्त करूँ।"

आभार व्यक्त करना कठिन है, आपके अमूल्य सहयोग व मार्गदर्शन के लिए शब्द कम पड़ते है।

सर्वप्रथम मैं अपने मार्गदर्शक, डॉ.बी.रमेश बाबू, प्रवक्ता (शिक्षा) तथा डॉ. एम. के श्रीवास्तव (शिक्षा), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का सहृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें शोध को प्रतिरूप देने में मार्गदर्शन किया।

मैं, परम् आदरणीय प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. विजय कुमार सुनवानी, शिक्षा विभाग के विभाग प्रमुख डॉ.एस.के. गोयल प्रवक्ता (शिक्षा) तथा डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव भूतपूर्व विभाग प्रमुख, शिक्षा विभाग जिन्होने अमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग किया।

शिक्षा विभाग के श्री डॉ.यू. लक्ष्मीनारायण, प्रवक्ता (शिक्षा) तथा श्री संजयकुमार पंडागले, व्याख्यता (शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का आभारी हूँ जिन्होनें सांख्यिकीय कार्य में अतुलनीय सहायता की।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान शिक्षा विभाग के डॉ.एस.के. गुप्ता, डॉ.के.के.खरे, डॉ.एम.यु. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनिती खरे, डॉ. बासन्सी खारलुखी, डॉ. अंजूली सुहाने एवं आदी शिक्षक, जिन्होनें शोध संगोष्ठी के माध्यम से सदैव मार्गदर्शन किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के पुस्तकालय विभाग के श्री पी.के. त्रिपाठी व समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ।

मैं कृतज्ञ हूँ मेरे माता-पिताजी, भाई एवं घर के तथा परिवार के सभी सदस्यों का जिनकी शुभकामनाओं से कार्य में गति मिली।

मैं प्राचार्य, श्री बी.एफ. वाक्चौरे, श्री बाणेश्वर माध्यमिक विद्यालय, अहमदनगर (महाराष्ट्र) को धन्यवाद देता हूँ जिन्होनें अपने विद्यालय में शिक्षण कार्य करने की अनुमति प्रदान की।

साथ ही समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों के अतुलनीय सहयोग का हृदय से आभारी हूँ। मैं आभारी हूँ तथा धन्यवाद देता हूँ, सभी विद्यार्थीगण जिन्होनें धैर्यपूर्ण होकर आँकड़े के संकलन में सहयोग प्रदान किया।

अततः मैं अपने सभी सहपाठियों का विशेष रूप से आभारी हूँ, जिन्होनें कदम-कदम पर कार्य पूर्ण करने में मुझे प्रोत्साहन तथा सहायता प्रदान की।

Wakchoure
27/04/09

शोधकर्ता
वाक्चौरे एस.बी.
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान- भोपाल

दिनांक- 27/04/**2009**

विषय सूची

विषय सूची

	पृष्ठ कमांक
मुखपृष्ठ	I
घोषणा पत्र	II
प्रमाण पत्र	III
अभार ज्ञापन	IV-V

अध्याय–प्रथम

शोध परिचय 1–24

1.1	प्रस्तावना	1
1.2	भूगोल	10
1.3	भूगोल विषय की शाखाएँ	11
1.4	भूगोल शिक्षण की विधियाँ	12
1.5	मानचित्र कला	13
1.6	मानचित्र के प्रकार	15
1.7	मानचित्र की उपयोगिता,	16
1.8	भूगोल में मानचित्र का स्थान,	16
1.9	मानचित्र की भाषा	17
1.10	मानचित्र शिक्षण के उद्देश्य	18
1.11	अध्ययन का कथन	20
1.12	अध्ययन की आवश्यकता	20
1.13	अध्ययन के उद्देश्य	22

1.14	अध्ययन की परिकल्पनाएँ	23
1.15	चरों की व्यावहारिक व्याख्या	23
1.16	अध्ययन की सीमाएँ	24

अध्याय–द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 25–44

2.1	प्रस्तावना	25
2.2	सबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	26

अध्याय–तृतीय

शोध प्रविधि 45–53

3.1	प्रस्तावना	45
3.2	शोध–अभिकल्प	45
3.3	प्रतिचयन	46
3.4	प्रतिदर्श/न्यादर्श	47
3.5	अध्ययन के चर	47
3.6	उपकरण	49
	3.6.1 प्रश्नावली–1	50
	3.6.2 प्रश्नावली–2	51
3.7	अंकन एवं सारणीयन	52
3.8	सांख्यिकीय प्रक्रिया	53

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, एवं व्याख्या 54–60

4.1	प्रस्तावना	54
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	54
	परिकल्पना क्रमांक–1	54
	परिकल्पना क्रमांक–2	55
	परिकल्पना क्रमांक–3	56
	परिकल्पना क्रमांक–4	56
	परिकल्पना क्रमांक–5	57
	परिकल्पना क्रमांक–6	58
	परिकल्पना क्रमांक–7	60

अध्याय–पंचम

शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 61–66

5.1	प्रस्तावना	61
5.2	समस्या का कथन	61
5.3	शोध के उद्देश्य	62
5.4	परिकल्पना	63
5.5	अध्ययन के चर	63
5.6	शोध अभिकल्प	64
5.7	प्रतिचयन	64

5.8 उपकरण 64

5.9 ऑकड़ो का विश्लेषण 64

5.10 मुख्य परिणाम 64

5.11 शैक्षिक महत्व 65

5.12 भविष्य के लिए सुझाव 66

5.13 अनुसंधान के लिए विषय 66

संदर्भ ग्रंथ सूची **VI-VII**

परिशिष्ट **VIII-XVI**

❖ पूर्व परीक्षण VIII-XI

❖ पश्च परीक्षण XII-XVI

तालिका सूची

		पृष्ठ क्रमांक
4.2.1	शीर्षक–उपशीर्षक अवधारणा उपलब्धि तालिका	54
4.2.2	अक्षांश–देशान्तर अवधारणा उपलब्धि तालिका	55
4.2.3	मापनी अवधारणा उपलब्धि तालिका	56
4.2.4	दिशा अवधारणा उपलब्धि तालिका	57
4.2.5	रूढ़ चिन्हं एवं खूणा अवधारणा उपलब्धि तालिका	57
4.2.6	सूची अवधारणा उपलब्धि तालिका	58
4.2.7	मानचित्र की अवधारणाओं का प्रभाव दर्शक तालिका	59
4.2.8	परीक्षण उपलब्धि तालिका	60